

**MASTER OF ARTS (EDUCATION)**

**[M. A. (EDU)]**

**Term-End Examination**

**June, 2025**

**MES-012 : EDUCATION : NATURE AND  
PURPOSES**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Weightage : 70%*

---

**Note :** (i) *All questions are compulsory.*

(ii) *All questions carry equal weightage.*

---

---

1. Answer the following question in about **600** words :

Explain how education is a process of socialization. Differentiate between 'Acculturation' and 'Enculturation'.

*Or*

Describe the aims of education as propounded by the philosophy of 'Sankhya Yoga'.

2. Answer the following question in about **600** words :

Differentiate between the theories of knowledge of the orthodox and heterodox schools of philosophy.

*Or*

Describe the various approaches to curriculum and differentiate between them.

3. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

- (a) Discuss the multidisciplinary nature of education.
- (b) Distinguish between prescriptive and descriptive theories of education.
- (c) Discuss with examples the *three* aims of Jain philosophy of education.
- (d) Describe the contribution of *two* modern Indian educators to educational thought and practice.

- (e) What are the *four* basic aspects of curriculum planning ?
  - (f) Differentiate between basic discipline and applied discipline with examples.
4. Answer the following question in about **600** words :

Critically analyze the aims of education as propounded by John Dewey and Paulo Freire.

**MES-012****शिक्षा में परास्नातक****[एम.ए.(ई.डी.यू.)]****सत्रांत परीक्षा****जून, 2025****एम.ई.एस.-012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन***समय : 3 घण्टे**अधिकतम भारिता : 70%**नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।***1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :**

शिक्षा किस प्रकार सामाजीकरण की एक प्रक्रिया है, व्याख्या कीजिए। 'परसंस्कृतिकरण' और 'परसंस्कृतिग्रहण' में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

'सांख्य योग' के दर्शन द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
- दर्शन की रूढ़िवादी (ऑर्थोडॉक्स) और विधर्मी (हेटरोडॉक्स) विचारधाराओं के ज्ञान के सिद्धान्तों के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए।

### अथवा

- पाठ्यचर्या के विविध उपागमों का वर्णन कीजिए और उनके मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए।
3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए :
- (क) शिक्षा की बहुशास्त्रीय प्रकृति (मल्टीडिसिप्लिनरी नेचर) की परिचर्चा कीजिए।
- (ख) शिक्षा के निर्देशात्मक (प्रेसक्रिप्टिव) और वर्णनात्मक सिद्धान्तों के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए।
- (ग) शिक्षा के जैन दर्शन के तीन उद्देश्यों की सोदाहरण परिचर्चा कीजिए।
- (घ) शैक्षिक विचार और संव्यवहार के लिए दो आधुनिक भारतीय शिक्षकों के योगदान का वर्णन कीजिए।

(ड) पाठ्यचर्या नियोजन के चार आधारभूत पहलू कौन-से हैं ?

(च) आधारभूत/मौलिक शास्त्र और अनुप्रयुक्त शास्त्र (बेसिक डिसिप्लिन एण्ड अप्लाइड डिसिप्लिन) में सोदाहरण अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

जॉन डीवी और पाउलो फ्रेरे (Paulo Freire) द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के उद्देश्यों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

× × × × ×